Bareilly, Wednesday,
1 November 2023
BAREILLY EDITION
Price ₹ 3.50/-
Pages 14

दैनिक जागरण
inext

PAGE NO 6 : MIDDLE

गलत रिपोर्ट ने घोला जिंदगी में जहर

'अनकही अन-जली' में रिश्तों में शक और प्रायश्चित की कहानी का दर्द

कलाकारों ने अभिनय से किया प्रभावित.

bareilly@inext.co.in

BAREILLY (31 Oct): श्रीराम मूर्ति स्मारक रिद्धिमा में चल रहे तीसरे थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष' के अंतिम दिन 'अनकही अन-जली' का मंचन हुआ. मुंबई के इंदिरा नाग प्रोडक्शन पंख थिएटर ग्रुप के इस नाटक का निर्देशन मुकुल नाग ने किया. मुकुल नाग और आकाश ने ही इसका स्क्रिप्ट लिखी. इसमें मुख्य अतिथि के रूप में समाजसेवी उषा गुप्ता मौजूद रहीं. श्रीराम मूर्ति स्मारक ट्रस्ट के संस्थापक व चेयरमैन देव मूर्ति, सुभाष मेहरा, डॉ. अनुज कुमार और डॉ. रीता शर्मा के साथ उन्होंने दीप प्रज्वलन कर नाटक अनकही अन-जली' के मंचन का शुभारंभ किया.

किया मंचन

नाटक शहर के प्रसिद्ध कार्डियोलाजिस्ट डॉ. सुनील कुमार चौहान की जिंदगी का है, जो बेहद शक्की है और हर किसी को शक की निगाह से देखता है. उसने चार साल के अफेयर के बाद अपनी साथी गायनेकोलाजिस्ट डॉ. अंजली से शादी की. शादी की दूसरी वर्षगांठ के लिए पार्टी में जाते वक्त सड़क हादसे में डॉ. चौहान गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं. वह खुद अपनी कार चला रहे होते हैं और उनके साथ डॉ. अंजली आगे बैठी होती हैं. पीछे की सीट पर उनके बचपन के दोस्त और साथी डॉ. अय्यर, डॉ. बोसार और डॉ. सेंगर बैठे सभी लोगों को खरोंच तक नहीं आती. डॉ. चौहान हादसे का जिम्मेदार अंजली को मानते हैं. वह मानते हैं कि दोस्तों ने उनकी तरक्की को देखते हुए हादसे की साजिश रची. अंजली ने इसे अंजाम दिया. क्योंकि अंजली के डॉ. अय्यर से अवैध संबंध हैं. हादसे के बाद तीनों डॉ. उनकी जान बचाने के लिए कई आपरेशन करते हैं, लेकिन कोई सफल नहीं होता. डॉ. चौहान को छह महीने बेहोशी की अवस्था में अस्पताल में ही रहना पड़ता है. हादसे के छह साल बाद वह अपने पैरों पर खड़े नहीं हो पाते और उन्हें व्हील चेयर का सहारा लेना पड़ता है. इसी बीच बीवी अंजली उन्हें मां बनने की खबर सुनाती है. डॉ. चौहान बच्चे का पिता डॉ. अय्यर को मानते हैं और इसी शक में अंजली का गला घोंट देते हैं. अंजली पर शक करने की दूसरी वजह है डॉ. चौहान की जेनेटिक रिपोर्ट, जो कभी भी उन्हें बाप न बनने की जानकारी देती है.